J–205

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (संस्कृत साहित्य) अंतिम

विषय –गद्य एवं काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'मेघदूतम्' में कौन&सा रस है ?
2. किस पक्षी की वाणी 'केका' कहलाती है ?
3. 'ज्योतिश्छायाकुसुमरचितानि' पद में कौन सा अलंकार है ?
4. वकुल वृक्ष का दोहद किस प्रकार पूर्ण होता है ?
5. 'नैषधीयचरितम्' महाकाव्य में प्रधान रस कौन&सा है ?
6. नल किस देश के निवासी थे ?
7. 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य में कितने सर्ग हैं ?
8. शिव एवं पार्वती के उस पुत्र का नाम लिखिए जिसने तारकासुर का वध किया।

खण्ड—ब

9. 'कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु' इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

10. मेघदूतम् में 'पूर्व मेघ' का कोई एक पद्य लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो।

11. 'प्रायेणैते रमणविरहेष्वङ्गनानां विनोदाः' इस पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

12. अलकापुरी की स्त्रियों के कुसुमालंकारों का वर्णन कीजिए।

13. 'त्यजन्त्यसूञ्शर्म च मानिनो वरम् त्यजन्ति न त्वेकमयाचितव्रतम्' इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

14. हिमालय पर्वत के सौन्दर्य का वर्णन करता हुआ 'कुमारसम्भवम्' (प्रथम सर्ग) का कोई एक पद्य लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

15. वक्रः पन्था यदपि भवतः प्रस्थितस्योत्तराशां
    सौधोत्सङ्ग प्रणयविमुखो मा स्म भूरुज्जयिन्याः।
    विद्युद्दामस्फरित चकितैस्तत्र पौराङ्गनानां
    लोलापाङ्गैर्यदि न रमसे लोचनैर्वञ्चितोऽसि॥

16. आलोके ते निपतति पुरा वलि व्याकुला वा
    मत्सादृश्यं विरह तनु वा भावगम्यं लिखन्ती।
    पृच्छन्ती वा मधुरवचनां सारिकां पञ्जरस्थां
    कच्चिद् भर्तुः स्मरसिरसिके! त्वं हि तस्य प्रियेति॥

17. सितांशुवर्णैर्वयति स्म तद्गुणै
    र्महासिवेम्नः सहकृत्वरी वहुम्।
    दिगङ्गनाङ्गाभरणं रणाङ्गणे
    यशः पटं तद्भटचातुरी तुरी॥

18. स मानसीं मेरुसखः पितृणां
    कन्यां कुलस्य स्थितये स्थितिज्ञः।
    मेनां मुनीनामपि माननीयाम्
    आत्मानुरूपां विधिनोपयेमे॥

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. पूर्वमेघ के आधार पर कालिदास के अर्थान्तरन्यास अलंकार प्रयोग पर प्रकाश डालिए।

20. उत्तरमेघ के आधार पर अलकापुरी का वर्णन कीजिए।

21. 'नैषधीयचरितम्' के प्रथम सर्ग की कथा का सारांश लिखिए।

22. 'कुमारसंभवम्' के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4
(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. 'मेघदूतम्' के आधार पर महाकवि कालिदास की काव्यकला की समीक्षा कीजिए।

24. 'नैषधीयचरितम्' के महाकाव्यत्व की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (संस्कृत साहित्य) अंतिम

विषय –साहित्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. काव्यप्रकाश के मंगलाचरण में कौन&सा अलंकार है ?
2. मीमांसक मत में शक्तिग्रह किसमें होता है ?
3. व्यङ्ग्यप्रधान होने से कौन&सा काव्य होता है ?
4. ‘स्वसिद्धये पराक्षेपः’ यह कौन&सी लक्षणा है ?
5. वीर रस का स्थायीभाव क्या है ?
6. किस प्रमाण द्वारा महिमभट्ट ने व्य�जनासिद्धि की है ?
7. ध्वनि विषयक अभाववादियों के कितने विकल्प हैं ?
8. नाट्यशास्त्र के प्रणेता आचार्य कौन हैं ?

खण्ड—ब

9. शब्दशक्तियों का परिचय दीजिए।
10. लक्षणा का लक्षण लिखिए।
11. स्थायीभावों के नाम लिखिए।
12. ध्वनिकार के प्रतिज्ञा वाक्य की व्याख्या कीजिए।
13. काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों के नाम लिखिए।
14. नान्दी का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. मध्यम काव्य का सोदाहरण लक्षण लिखिए।
16. भट्टलोल्लट के रससिद्धान्त का प्रतिपादन कीजिए।
17. भाक्तवादी ध्वनि पर प्रकाश डालिए।
18. मत्तवारिणी पर नाट्यशास्त्रीय टिप्पणी लिखिए।

सत्रीय कार्य–3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. मम्मटानुसार काव्य प्रयोजन का प्रतिपादन कीजिए।
20. 'यत्परः शब्दः स शब्दार्थः की समीक्षा कीजिए।
21. 'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' की व्याख्या कीजिए।
22. नाट्यसम्बन्धी विविधमतों का उल्लेख कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. अभिनव गुप्त अभिव्यक्तिवाद की समीक्षा कीजिए।
24. काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय दीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है।**

J–207

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (संस्कृत साहित्य) अंतिम

विषय –नाटक तथा नाट्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. ‘मुद्राराक्षस’ नाटक में चन्दनदास कौन है ?
2. ‘मुद्राराक्षस’ नाटक के नान्दीपाठ में किस इष्टदेवता की स्तुति है ?
3. ‘वेणीसंहार’ नाटक में कथानक का आधार क्या है ?
4. ‘अश्वत्थामा हतो हतः’ किसे कहा गया है ?
5. शूद्रक किस विषय का ज्ञाता नहीं था ?
6. ‘नागानन्द’ नाटक का नायक किस प्रकृति का था ?
7. प्रियतम के पास जो नायिका स्वयं जाती है उसे क्या कहते हैं ?
8. ‘वेणीसंहार’ नाटक की कथावस्तु का सा◌ोपा◌ वर्णन कीजिए।

खण्ड—ब

9. कथावस्तु कितने प्रकार की होती है ? उनके नाम बताइए।

10. चारूदत्त को अपनी निर्धनता से अधिक दुःख किस बात का था ?
11. अर्जुन ने क्या प्रतिज्ञा की थी ?
12. भानुमति अपने किस स्वप्न को देखकर चिन्तित थी ?
13. चाणक्य ने प्रजा की प्रकृति को ज्ञात करने के लिए किसे नियुक्त किया था ?
14. 'मुद्राराक्षस' नाटक के अनुसार राक्षस क्या चाहता था ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. 'मुद्राराक्षस' नाटक के अनुसार चाणक्य की योजना उद्धृत कीजिए।
16. 'वेणीसंहार' नाटक के नामकरण के औचित्य पर प्रकाश डालिए।
17. 'मृच्छकटिकम्' नाटक के रचयिता का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
18. नाटक और नृत्य में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. धन�जय कृत 'दशरूपक' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
20. 'मृच्छकटिकम्' की कथावस्तु तथा काव्यात्मकता की समीक्षा कीजिए।
21. 'वेणीसंहार' नाटक के नायक और प्रतिनायक का चरित्र&चित्रण कीजिए।
22. 'मुद्राराक्षस' नाटक में चाणक्य के कूटनीतिक कौशल की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. शूद्रक के स्थितिकाल पर विस्तृत रूप से अपना मत स्पष्ट कीजिए।
24. नाटक या रूपक के दस लक्षणों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

J–208

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (संस्कृत साहित्य) अंतिम

विषय –भारतीय समाज एवं पर्यावरण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. यास्क के अनुसार धर्म का क्या अर्थ है ?
2. ऋग्वेद के किस सूक्त में एकेश्वरवाद का प्रतिपादन है ?
3. विशालता में किस पुराण को द्वितीय स्थान प्राप्त है ?
4. किससे ऋण मुक्त होना संभव नहीं है ?
5. विदथ कौन कहलाता था ?
6. 'जातस्य हि ध्रुवो मृत्युः' किस ग्रन्थ से उद्धृत है ?
7. पर्यावरण का जन आन्दोलन किस ईस्वी में प्रारम्भ हुआ ?
8. सर्वाधिक वर्षा वाला देश कौन&सा है ?

खण्ड—ब

9. वैदिक धर्म की विशेषताएँ लिखिए।

10. श्रमण धर्म में नियतिवाद का अर्थ संक्षेप में लिखिए।
11. अग्निपुराण की क्या विशेषता मानी जाती है ?
12. भागवतपुराण की क्या विशेषता है ?
13. 'तेन त्यक्तेन भुंजीथाः' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
14. गंगा प्रदूषण के कारणों पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. पुरुषार्थ चतुष्ट्य की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
16. पद्म पुराण का परिचय दीजिए।
17. वैदिक साहित्य के अनुसार वरुण देवता क्या कार्य करते थे ?
18. जल संरक्षण हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. वैदिक धर्म के विशिष्ट यम&नियमों का विवेचन कीजिए।
20. भगवान शिव पर लिखे गए पुराणों का उल्लेख कीजिए।
21. संस्कृत साहित्य में वर्णित कर प्रणाली पर प्रकाश डालिए।
22. वायु जल और मिट्टी को संरक्षित करने की सामान्य प्रविधियों का उल्लेख कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. श्रमण पंथ के विकासक्रम पर विस्तारपूर्वक लेख लिखिए।
24. महाकवि कालिदास के काव्यों में वर्णित राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय काय स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**